5/2/26

पत्रावली आज पेश हुई। प्रार्थीगण व उनके वकील अनुपस्थित। मूल वाद का निस्तारण हो चुका है। मूल वाद का निस्तारण होने से प्रार्थना पत्र जिसे से चलाये जाने का कोई औचित्य नहीं होने से मूल वाद के साथ-साथ उक्त प्रार्थना [illegible] को भी इसी स्तर पर खारिज किया [illegible] पत्रावली मिसल शुमार [illegible] दाखिल दफ्तर हो एक नम्बर दे कर हो।

Signature Not Verified

Digitally signed by Ranchhod Lal
Date: 2026.02.10 19:42:21 IST
Reason: SelfAttested

सहायक कलक्टर
(फास्ट-ट्रेक) चौहटन